ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

सर्वज्ञ श्रीचक्रधर स्वामी मराठी भाषा तथा तत्वज्ञान अध्ययन केंद्र, रिद्धपुर (अमरावती)

मराठी भाषा गौरव दिवस समारोह पर आयोजित

एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

दिनांक: 27 फरवरी 2026

स्थल: सर्वज्ञ श्रीचक्रधर स्वामी मराठी भाषा तथा तत्वज्ञान अध्ययन केंद्र, रिद्धपुर (अमरावती)

विषय- अभिजात मराठी भाषा व साहित्य : धरोहर और संवर्धन

सरंक्षक

प्रो. कुमुद शर्मा,

माननीय कुलपति, म.गां.अं.हि.वि.वर्धा

संगोष्ठी संयोजक

डॉ. नीता मेश्राम

प्रभारी एवं एसोशिएट प्रोफेसर,रिद्धपुर केंद्र (अमरावती)

सह-संयोजक

डॉ. राजेश लेहकपुरे

एसोशिएट प्रोफेसर एवं समन्वयक पायलट परियोजना,रिद्धपुर केंद्र (अमरावती)

:- विषय का परिचय

अभिजात मराठी भाषा महाराष्ट्र की समृद्ध सांस्कृतिक पहचान का आधार है।
इसका इतिहास प्राचीन महाराष्ट्रीय प्राकृत और अपभ्रंश से जुड़ा हुआ है।
संत परंपरा ने मराठी भाषा को जनभाषा के रूप में प्रतिष्ठित किया।
संत ज्ञानेश्वर ने ज्ञानेश्वरी के माध्यम से मराठी को दार्शनिक ऊँचाई दी।
संत तुकाराम के अभंगों ने समाज में भक्ति और समानता का संदेश फैलाया।
मराठी साहित्य में संत साहित्य, लोकसाहित्य, काव्य और नाटक का विशेष स्थान है।
मोडी व सकळ लिपि में लिखे गए प्राचीन दस्तावेज इसकी ऐतिहासिक धरोहर हैं।
यह भाषा सामाजिक, धार्मिक और सांस्कृतिक मूल्यों की वाहक रही है।
आधुनिक युग में डिजिटलीकरण और शिक्षा के माध्यम से इसका संवर्धन आवश्यक है।
अभिजात मराठी भाषा और साहित्य का संरक्षण हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।

विश्वविद्यालय का परिचय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय की स्थापना भारत की संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत एक केंद्रीय विश्वविद्यालय के रूप में की गई है। यह अखिल भारतीय अधिकारिता का पहला अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय है जो राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की कर्मस्थली वर्धा (नागपुर-मुंबई हाईवे) पर अवस्थित है और यह 212 एकड़ क्षेत्रफल में विस्तृत है। प्रयागराज (उत्तर प्रदेश), कोलकाता (पश्चिम बंगाल) एवं रिद्धपुर (जिला अमरावती, महाराष्ट्र) में विश्वविद्यालय के केंद्र हैं। यह विश्वविद्यालय नियमित शैक्षणिक अनुसंधान कार्यक्रमों के अतिरिक्त दूर शिक्षा कार्यक्रम भी संचालित करता है।

उद्देश्य : विश्वविद्यालय अधिनियम की धारा 4 में उद्देश्य का उल्लेख है कि साधारणतः हिंदी भाषा और साहित्य का संवर्धन और विकास करना और उस प्रयोजन के लिए विद्या की सुसंगत शाखाओं में शिक्षण और अनुसंधान की सुविधाएँ प्रदान करना, हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में तुलनात्मक अध्ययन और अनुसंधान के सक्रिय अनुसरण के लिए व्यवस्था करवाना, देश और विदेश में सुसंगत सूचना के विकास और प्रसारण के लिए सुविधाएँ प्रदान करना। हिंदी को कार्यात्मक प्रभावशीलता में सुधार करने के लिए अनुवाद एवं निर्वचन और भाषाविज्ञान आदि क्षेत्रों में अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण के कार्यक्रमों की व्यवस्था करना। विदेशों में हिंदी में अभिरुचि रखने वाले हिंदी विद्वानों और समूहों तक पहुँचना और विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए उन्हें सहबद्ध करना और दूर शिक्षा पद्धति के माध्यम से हिंदी को लोकप्रिय बनाना है।

रिध्दपुर केंद्र का परिचय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के सर्वज्ञ श्री चक्रधर स्वामी मराठी भाषा तथा तत्त्वज्ञान अध्ययन केंद्र, रिध्दपुर (अमरावती) का प्रारंभ सर्वज्ञ श्री चक्रधर स्वामी के अष्टजन्म शताब्दी वर्ष पर 08 सितंबर 2021 को हुआ। सत्र 2021-22 से रिध्दपुर केंद्र पर एम. ए. मराठी कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। वर्तमान में रिद्धपुर केंद्र पर एम.ए मराठी, मराठी भाषा में चार वर्षीय स्नातक, योगा एवं स्वास्थ्य में स्नातकोत्तर डिप्लोमा आदी कार्यक्रम सुचारू रूप से संचालित किए जा रहे है। रिद्धपुर को मराठी भाषा का उगम स्थान माना जाता है। मराठी भाषा का पहला ग्रंथ 'लीळाचरित्र' रिद्धपुर में लिखा गया। नई शिक्षा नीति के अंतर्गत भारतीय भाषाओं के विकास के लिए महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय प्रतिबद्ध है। जिसके अंतर्गत रिद्धपुर केंद्र अध्ययन व शोध कार्य का एक महत्वपूर्ण केंद्र बनने की दिशा में अग्रेसर हो रहा है। रिद्धपुर केंद्र के माध्यम से मराठी साहित्य व अन्य भारतीय भाषाओं के साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन, मराठी भाषा में जो ज्ञान उपलब्ध है उसका अनुवाद और धर्म, तत्त्वज्ञान तथा संस्कृति के अध्ययन का कार्य केंद्र द्वारा करने की योजना पर कार्य प्रारंभ हुआ है।

संगोष्ठी के उद्देश्य

- ज्ञानपीठ पुरस्कार विजेता कवि विष्णु वामन शिरवाडकर (कुसुमाग्रज) के मराठी भाषा में उनके साहित्यिक योगदान पर सार्थक चर्चा करना ।
- मराठी भाषा के प्राचीन साहित्य, संस्कृति और भाषाई समृद्धि का संचार और संरक्षण कर मराठी को ज्ञान की भाषा के रूप में विकसित करना ।
- मराठी को ज्ञान, विज्ञान और प्रौद्योगिकी की भाषा के रूप में स्थापित करने के लिए चर्चा करना और उपाय सुझाना ।
- नई पीढ़ी को मराठी साहित्य,कविता, नाटक और इतिहास से परिचित कराकर उनमें भाषा के प्रति गर्व और प्रेम पैदा करना ।
- भाषाई पहचान को जागृत करना, वैश्वीकरण के युग में मराठी के महत्व को बनाए रखना और रोजमर्रा की जिंदगी और काम में इसके उपयोग को प्रोत्साहित करना ।
- देश के विभिन्न विश्वविद्यालय व महाविद्यालय से जुड़े हुये संकाय , शोधार्थियों व विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय व केंद्र का परिचय कराना ।

उपविषय

1.मराठी भाषा का प्राचीन स्वरूप: भाषा अध्ययन की आधुनिक पद्धति
2.महाराष्ट्री प्राकृत से आधुनिक मराठी: एक भाषिक संक्रमण और विकास
3.मराठी लिपियों का विकास: एक गहन अध्ययन
4.प्राचीन शिलालेखों और ताम्रपत्रों में मराठी का स्वरूप
5.प्राचीन मराठी हस्तलिखितों का महत्व
6.मराठी संत साहित्य की वर्तमान प्रासंगिकता
7.लीळाचरित्र: शोध की नई दिशाएँ
8.मराठी की 'अभिजात' स्थिति: भविष्य की उज्ज्वल संभावनाएँ
9.डिजिटल युग में मराठी: कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) और संगणकीय भाषाविज्ञान
10.वैश्विक युग में मराठी: विस्तारित क्षितिज और नवोदित अवसर
11.मराठी भाषा और अर्थव्यवस्था: रोजगार और व्यवसाय की संभावनाएं
12.मराठी भाषा संवर्धन और भाषाई पत्रकारिता
13.मराठी भाषा शिक्षण की चुनौतियाँ
14.मराठी भाषा संवर्धन : भारतीय भाषा संबंध और अनुवाद
15.महाराष्ट्र की बोलीयाँ : तुलनात्मक एवं भाषावैज्ञानिक अध्ययन

शोधपत्र व पंजीकरण संबंधी निर्देश

भाषा	मराठी / हिंदी
फॉन्ट	यूनिकोड / कोकिला
फॉन्ट साइज	14
लाइन स्पेसिंग	1.5
शब्द सीमा	2000 शब्द
शोध सारांश भेजने की अंतिम तिथि	20 फरवरी 2026
शोधपत्र भेजने की अंतिम तिथि	25 फरवरी 2026
शोधपत्र प्रस्तुति का माध्यम	ऑनलाइन / ऑफलाइन
शोधपत्र भेजने का माध्यम	riddhapurcentremgahv21@gmail.com
पंजीकरण हेतु गूगल लिंक	https://forms.gle/5LfMaHEouKy3JRg49

प्राध्यापक	500 /- रुपये
शोधार्थी	300 /- रुपये

Finance Officer, MGAHV, Wardha
Account No : 972110210000005
IFSC Code : BKID0009721

पंजीकरण शुल्क भुगतान हेतु QR कोड

सूचना: पंजीकरण शुल्क का भुगतान करने के बाद 8688432858 इस वाट्सअप नंबर पर भुगतान का स्क्रीनशॉट और अपना पूरा नाम भेंजें।

संगोष्ठी हेतु पंजीकरण कर वाट्सअप ग्रुप में शामिल होने के लिए उक्त क्यूआर कोड का प्रयोग करे।

राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत चयनित शोधपत्रों को पुस्तक (आईएसबीएन) के रूप में प्रकाशित किया जाएगा।

उदघाटन सत्र

दिनांक: 27 फरवरी 2026

समय: पूर्वाह्न 11.00 से 01.00 बजे

अध्यक्षता

प्रो. कुमुद शर्मा

माननीय कुलपति

म.गां.अं.हिं. वि., वर्धा

मुख्य अतिथि

प्रो. भूषण भावे

आवासीय लेखक

म.गां. अं. हिं. वि., वर्धा

स्वागत वक्तव्य

प्रो. प्रीति सागर

अधिष्ठाता, भाषा विद्यापीठ

म.गां. अं. हिं. वि., वर्धा

प्रास्ताविक

डॉ. नीता मेश्राम

प्रभारी एवं एसोशिएट प्रोफेसर

रिद्धपुर केंद्र, (अमरावती)

संचालन

श्री चक्रधर कोठी,शोध अनुषंगी

पायलट परियोजना,रिद्धपुर केंद्र (अमरावती)

धन्यवाद ज्ञापन

डॉ. मनोज मुनेश्वर,शोध सहायक,

पायलट परियोजना,रिद्धपुर केंद्र (अमरावती)

तकनीकी सत्र / शोध पत्र प्रस्तुति

दिनांक: 27 फरवरी 2026
समय: अपराह्न 02:00 से 04:00 बजे

सत्र क्र. 1

सत्राध्यक्ष

डॉ. अण्णा वैद्य

मराठी विभागाध्यक्ष, श्रीमती नरसम्मा कला, वाणिज्य, विज्ञान महाविद्यालय, अमरावती

सूत्र संचालन

डॉ. नितिन रामटेके

अनुवादक, पायलट परियोजना, रिद्धपुर केंद्र (अमरावती)

धन्यवाद ज्ञापन

डॉ. स्वप्निल मून

अनुवादक, पायलट परियोजना, रिद्धपुर केंद्र (अमरावती)

सत्र क्र. 2

सत्राध्यक्ष

डॉ. संदीप सपकाले

सहायक प्रोफेसर, मराठी विभाग, म गां. अं. हिं. वि., वर्धा

सूत्र संचालन

श्री विशाल हिवरखेडकर

शोध अनुषंगी, पायलट परियोजना, रिद्धपुर केंद्र (अमरावती)

धन्यवाद ज्ञापन

डॉ. स्वप्निल मून

अनुवादक, पायलट परियोजना, रिद्धपुर केंद्र (अमरावती)

समापन सत्र

दिनांक: 27 फरवरी 2026
समय: अपराह्न 04:30 से 05:30 बजे

सत्राध्यक्ष

प्रो. डॉ. गणेश चव्हाण

मराठी विभागाध्यक्ष
संत गाडगे महाराज कॉलेज हिंगणा, नागपुर
(अध्यक्ष- भाषा अभ्यास मंडल, रा. तु. म. विश्वविद्यालय, नागपुर)

प्रमुख अतिथि

डॉ. सुरेश वर्धे

प्रभारी प्राचार्य
डॉ. आंबेडकर इंस्टीट्यूट ऑफ सोशलवर्क, नागपुर

विशेष अतिथि

डॉ.चत्रभूज कदम

कनिष्ठ महाविद्यालयीन शिक्षक
महात्मा फुले कला,वाणिज्य व विज्ञान सितारामजी चौधरी महाविद्यालय, वरुड

सूत्र संचालन

डॉ. नितिन रामटेके

अनुवादक, पायलट परियोजना, रिद्धपुर केंद्र (अमरावती)

धन्यवाद ज्ञापन

डॉ. मनोज मुनेश्वर

शोध सहायक, पायलट परियोजना, रिद्धपुर केंद्र (अमरावती)

संयोजक

डॉ. नीता मेश्राम

प्रभारी एवं एसोशिएट प्रोफेसर
रिद्धपुर केंद्र, अमरावती

सह-संयोजक

डॉ. राजेश लेहकपुरे

एसोशिएट प्रोफेसर एवं समन्वयक, पायलट परियोजना
रिद्धपुर केंद्र, अमरावती